Eklavya University

Master of Arts

(Philosophy)

Curriculum

(2020-2021 admitted students)

Master of Arts- Philosophy

VISION STATEMENT OF EKLAVYA UNIVERSITY

Eklavya University, will transform lives and communities through learning.

MISSION STATEMENT OF EKLAVYA UNIVERSITY

- Nurture achievers in life and careers through a value based, industry relevant and futureready education.
- Emphasize research, interdisciplinary learning, and practical hands on education.
- Equip every student with the required social and technical skills to achieve employment generation.
- Provide a holistic education deeply rooted in the ways of the traditional Gurukul system.
- Bring quality education within the reach of every individual, by committing to theachievement and maintenance of excellence in education, research and innovation.
- Create and disseminate knowledge through research and creative inquiry.
- Serve students by teaching them problem solving, leadership and teamwork skills, lateral thinking, commitment to quality and ethical behaviour.
- Create a diverse community, open to the exchange of ideas, where discovery, creativity, and personal and professional development is encouraged and can flourish.
- Contribute to the social fabric and economic health of the Bundelkhand region, the state and the country at large, by enhancing and facilitating economic empowerment, providing equal opportunities and employment generation.

VISION STATEMENT OF DEPARTMENT

Transforming life through excellence in education and knowledge.

MISSION STATEMENT OF DEPARTMENT

Department's Mission is to develop innovative, globally competitive and socially responsible scholers and leaders.

Master of Arts - Philosophy

PROGRAMME EDUCATIONAL OBJECTIVES (PEOs)

1. After completion of post graduation in Philosophy, students are provided with the opportunity to study in a specific area in philosophical studies.

2. Critical and comparative studyin the subject is encouraged.

3. The subject undertaken helps the students to explore himself/herself and be useful to the society at large.

4. This program is bound by the rules and regulations of Eklavya University.

Master of Arts - Philosophy

PROGRAMME OUTCOMES (POs)

1. Achieving scholarship in specific area of Indian and Western Philosophies.

2. The subject learning will have personal and social utility.

3. Many employment opportunities for teaching and research.

EKLAVYA UNIVERSITY

Master of Arts - Philosophy

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES (PSOs)

1. Provide adequate knowledge of Indian and Western Philosophies.
2. Understanding ancient scriptures written in Orientel Languages.
3. Acquire adequate knowledge of ancient Indian culture and society.
4. Gain competencies and professional skills for teaching and conducting research.

Master of Arts - Philosophy

CREDIT STRUCTURE

Category-wise Credit Distribution

Courses	Credits
Programme Core courses	**36**
Programme Electives	**12**
Project	**20**
Subjective presentation & Comprehensive Viva	**12**
Total	**80**

Course code	Indian Philosophy, Paper – I	L	T	P	C
MPHIL20Y101	भारतीय दर्शन, प्रश्न–पत्र–1	6	0	0	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 Marks			

Course Objectives:

- भारतीय दर्शन की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- विद्यार्थियों में दर्शन के अध्ययन के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- दार्शनिक प्रवृत्तियों के प्रति समझ विकसित करना।
- वैचारिक कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- भारतीय दर्शन की विशेषताओं का ज्ञान होना।
- भारतीय दर्शन की सूक्ष्म चिंतन प्रणाली का पता चलना।
- भारतीय दर्शन की स्वरूपगत विशेषताओं का ज्ञान होना।
- विभिन्न दार्शनिक प्रस्थानों की समझ विकसित होना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- विद्यार्थियों में चिंतन कौशल का विकास होना।
- वैचारिक वैशिष्ट्य की जानकारी होना।
- चिंतन के लिए नूतन तकनीक, कौशल विधियाँ एवं प्रयोगों का विकास होना।
- वैचारिक समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।

Unit-1 — **18 Hrs.**

भारतीय दर्शन का इतिहास–

- वैदिक और अवैदिक दर्शनों का उद्भव और विकास ।
- ज्ञानयोग, कर्मयोग, भक्तियोग (भगवत् गीता)।
- संसारवाद व मोक्ष विचार।
- चार्वाक दर्शन में भौतिकवाद विचारधारा।

Unit – 2 — **16 Hrs.**

जैन दर्शन व बौद्धदर्शन –

- जैनदर्शन में जीव–अजीव विचार, द्रव्य की अवधारणा, सत् गुणपर्याय।
- जैनदर्शन में बंधन एवं मोक्ष विचार एवं अनेकांतवाद व स्याद्वाद।
- जैन दर्शन के प्रभावक आचार्य श्रीविद्यासागर जी का आचार दर्शन ।
- बौद्धदर्शन का अनात्मवाद विचार ।
- बौद्धदर्शन का निर्वाण विचार ।

Unit-3 — **20 Hrs.**

सांख्य, योग दर्शन व ध्यान योग–

- सांख्य–सत्कार्यवाद, प्रकृति और पुरुष विचार।
- सांख्य–विकासवाद।
- योग–पातंजलि योग दर्शन में चित्तवृत्ति एवं अष्टांग योग विचार ।
- ध्यान योग व ध्यान की विधायें –पं. श्रीराम शर्मा आचार्य का दृष्टिकोण।

Unit-4 — **19 Hrs.**

वैशेषिक एवं मीमांसा दर्शन –

- पदार्थ का स्वरूप एवं प्रकार (वैशेषिक दर्शन)।
- द्रव्य, गुण एवं कर्मविचार (वैशेषिक दर्शन)।
- सामान्य, विशेष, समवाय एवं अभाव विचार।
- पूर्वमीमांसा दर्शन ।

Unit-5	17 Hrs.

शंकर और रामानुज दर्शन –

- शंकरदर्शन में–माया, मोक्ष विचार।
- रामानुज दर्शन में–शंकर के मायावाद की आलोचना।

 # Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures

Text/ Reference Books

- भारतीय दर्शन –बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी
- भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास वाराणसी।
- भारतीय दर्शन – दत्त एवं चटर्जी, कलकत्ता यूनीवर्सिटी, कलकत्ता।
- भारतीय दर्शन –एन. के. देवराज, उत्तरप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, लखनऊ।
- भारतीय दर्शन –बी .एन. सिंह, आशाप्रकाशन, नगवॉ लंका, वाराणसी ।
- भारतीय दर्शन की रुपरेखा–एम हिरियन्ना, मोतीलाल, बनारसी दास, वाराणसी।
- भारतीय दर्शन –बी. के. लाल, मोतीलाल, बनारसी दास, वाराणसी।
- भारतीय दर्शन का सर्वेक्षण–संगमलाल पाण्डेय, सेंट्रल पब्लिशिंग हाऊस, इलाहाबाद।
- आध्यात्मिक मान्यताओं का वैज्ञानिक प्रतिपादन–पं. श्रीराम शर्मा आचार्य के समन्वयात्मक दृष्टिकोण के संदर्भ में, डॉ. श्रीमती उषा खण्डेलवाल, परिमल प्रकाशन, दिल्ली।
- गायत्री महाविद्या, वाङ्गमय खंड–45, पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
- व्यक्तित्व विकास हेतु उच्चस्तरीय साधनाएं–वाङ्गमय खंड–20, पं. श्रीरामशर्मा आचार्य।

Abhishay

Course code	Western Philosophy, Paper – II	L	T	P	C
MPHIL20Y102	पाश्चात्य दर्शन , प्रश्न–पत्र–2	6	0	0	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 Marks			

Course Objectives:

- पाश्चात्य दर्शन की व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- विद्यार्थियों में पाश्चात्य विचारों के अध्ययन के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- पाश्चात्य दर्शन की प्रवृत्तियों के प्रति समझ विकसित करना।
- वैचारिक कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- पाश्चात्य दर्शन की विशेषताओं का ज्ञान होना।
- पाश्चात्य दर्शन की सूक्ष्मता का पता चलना।
- पाश्चात्य दर्शन की स्वरूपगत विशेषताओं का ज्ञान होना।
- विभिन्न दार्शनिक विचारों के प्रति समझ विकसित होना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- विद्यार्थियों में चिंतन कौशल का विकास होना।
- वैचारिक वैशिष्ट्य की जानकारी होना।
- चिंतन की नूतन तकनीक, कौशल विधियाँ एवं प्रयोगों का विकास होना।

Unit-1 — **18 Hrs.**

- पाश्चात्य दर्शन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि।
- ग्रीक दर्शन –ग्रीक दार्शनिक– प्लेटो व अरस्तू–
- प्लेटो का प्रत्ययवाद।
- अरस्तू का द्रव्य एवं आकार।
- सुकरात की ज्ञानमीमांसा एवं नीतिशास्त्र।

Unit – 2 — **16 Hrs.**

- आधुनिक दर्शन की प्रमुख विशेषताएँ।
- 17 वी शताब्दी से 18 वीं शताब्दी तक की दार्शनिक विचारधारायें।

Unit-3 — **20 Hrs.**

- रेने डेकार्ट्स, स्पिनोजा एवं लाइब्नित्स के विचार–(बुद्धिवाद)।
- रेने डेकार्ट्स की दार्शनिक पद्धति एवं उसकी निष्पत्तियाँ।
- द्रव्य, गुण एवं पर्याय सिद्धान्त।
- लाइब्नित्स का चिद्बिन्दुवाद

Unit-4 — **19 Hrs.**

आधुनिक अनुभववाद–

- आधुनिक अनुभववाद की प्रमुख विशेषताएँ।
- लॉक की ज्ञान मीमांसा।
- बर्कले का आत्मनिष्ठ प्रत्ययवाद।

Unit-5 — **17 Hrs.**

आधुनिक समीक्षावाद–

- काण्ट का समीक्षावाद, देशकाल की अवधारणा।
- बुद्धि–विकल्पों का स्वरूप

Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures
Text/ Reference Books

- पाश्चात्य दर्शन – डॉ. चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास दिल्लीं
- पाश्चात्य दर्शन की रूपरेखा–डॉ. संगमलाल पांडे, दर्शन पीठ इलाबाद।
- पाश्चात्य दर्शन का समीक्षात्मक इतिहास–डॉ. याकूब मसीह, मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली।
- आधुनिक पाश्चात्य दर्शन – जे.पी. शर्मा (संपादक), म0प्र0 हिन्दी गंथ अकादमी, भोपाल।
- पाश्चात्य दर्शन डा. बी.एन. सिंह, स्टूडेन्टस एण्ड कंपनी, वाराणसी।
- पाश्चात्य दर्शन – डॉ. रामनाथ शर्मा, रामनाथ केदारनाथ प्रकाशन मेरठ।
- काण्ट का दर्शन –डॉ. संगमलाल पाण्डे, दर्शन पीठ टैगोर नगर, इलाहाबाद।
- ग्रीकदर्शन का वैज्ञानिक इतिहास– जे. एस. श्रीवास्तव।
- पाश्चात्य दर्शन –बी.एन. सिंह, आशा प्रकाशन, वाराणसी ।
- आधुनिक दर्शन का वैज्ञानिक इतिहास, जे. एस. श्रीवास्तव।
- काण्ट का नीतिदर्शन –सगाजीत मिश्र।

Course code	Indian Ethics, Paper – III	L	T	P	C
MPHIL20Y103	भारतीयनीतिशास्त्र, प्रश्न–पत्र–3	6	0	0	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 Marks			

Course Objectives:

- नैतिक विचारों की व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- नीतिशास्त्र के अध्ययन के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- नीतिशास्त्र की विशेषताओं से परिचित कराना।
- ज्ञान की विविध विधाओं में दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- नीतिशास्त्र की विशेषताओं का ज्ञान होना।
- नीतिशास्त्र की प्रवाहगत सूक्ष्मता का पता चलना।
- भारत की नैतिक परम्परा का ज्ञान कराना।
- नैतिक तत्त्वों का ज्ञान कराना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- विद्यार्थियों में नैतिकता का विकास होना।
- विद्यार्थियों में नैतिक ज्ञान के उपयोग की सोच विकसित होना।
- नैतिकता के प्रसार के लिए नूतन तकनीक, कौशल विधियाँ एवं प्रयोगों का विकास होना।
- ज्ञान की प्राचीन परम्परा को समझकर नवीन विचार क्षमता का विकास होना।

Unit-1 — **17 Hrs.**

- भारतीय नीतिशास्त्र का स्वरूप एवं विशेषताएँ।
- भारतीय नीतिशास्त्र का विकास ऋण एवं सत्य ऋण।
- योग, यज्ञ एवं क्षेत्र पुरुषार्थ।

Unit – 2 — **19 Hrs.**

- पुरुषार्थ एवं आश्रम व्यवस्था
- मीमांसा के अनुसार धर्म (विधि, निषेध, अर्थवाद)।

Unit-3 — **20 Hrs.**

- भगवत् गीता के अनुसार–निष्काम कर्मयोग, स्वधर्म, लोकसंग्रह।
- बौद्ध चिन्तन में उपाय कौशल (बुद्धयान) तथा ब्रह्मविचार।
- कर्म एवं पुनर्जन्म की अवधारणा।

Unit-4 — **16 Hrs.**

- समकालीन भारतीय नीतिशास्त्र का इतिहास।
- त्रिरत्न, पंचमहाव्रत (जैनदर्शन)।

Unit-5 — **18 Hrs.**

- स्वामी विवेकानंद–सद्गुण।
- महात्मा गाँधी–एकादश व्रत।
- श्री विनोवाभावे–भूदान एवं वैश्विक नैतिकता।
- आचार्य विद्यासागर का शिक्षादर्शन।
- पं. श्रीराम शर्मा आचार्य–
  - पंचशील के सिद्धान्त।
  - उपवास (व्रत) एवं उपवास के प्रकार।

 # Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures

Text/ Reference Books :-

1. भारतीय नीतिशास्त्र का इतिहास –बी. एल. आत्रेय।
2. नीतिशास्त्र–शांति जोशी।
3. भारतीय नीतिशास्त्र का विकास–राजबली पाण्डेय, मोतीलाल, बनारसीदास, वाराणसी।
4. नीतिदर्शन – रामनाथ शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास।
5. भारतीय नीतिशास्त्र– दिवाकर पाठक।
6. कांट का नीतिदर्शन दर्शन – डॉ. छायाराय, रानी दुर्गावती वि.वि., जबलपुर।
7. मूकमाटी–आचार्य विद्यासागर, ज्ञानपीठ दिल्ली।
8. पंचशील के सिद्धान्त–पं. श्रीराम शर्मा आचार्य, परिमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. गायत्री महाविज्ञान, भाग–3 गायत्री तपोभूमि मथुरा।
10. युगगीता–भाग 1,भाग 2,भाग 3, भाग 4 – डॉ प्रणव पंडया, प्रकाशन–शांति कुंज हरिद्वार
11. गीतामृतम – डॉ प्रणव पंडया, प्रकाशन– शांति कुंज हरिद्वार।
12. The Ethics of Hindus-S.K.Maitra

Course code	Modern Logic (Elective), Paper – IV	L	T	P	C
MPHIL20Y104	आधुनिक तर्कशास्त्र (ऐच्छिक पत्र)– प्रश्न पत्र–4	6	0	0	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 Marks			

Course Objectives:

- तर्कशास्त्र का व्यापक ज्ञान कराना।
- विद्यार्थियों में न्यायशास्त्र के अध्ययन के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- तर्कणा शक्ति को विकसित करना।
- तार्किक कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- तार्किक एवं दार्शनिक परम्पराओं का ज्ञान होना।
- तर्कशैली की विशेषताओं से परिचित होना।
- तर्कशास्त्र के योगदान से परिचित होना।
- आदर्श जीवन के लिए तर्क की उपयोगिता का पता लगाना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- विद्यार्थियों में तार्किक कौशल का विकास होना।
- विद्यार्थियों में तर्क के अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- तर्क की नूतन तकनीक, कौशल विधियों एवं प्रयोगों का विकास होना।
- तर्कणा शक्ति की क्षमता का ज्ञान होना।

Unit-1 — **16 Hrs.**

तर्कशास्त्र क्या है–

- तर्कशास्त्र की परिभाषा।
- युक्ति का स्वरूप।
- आगमन और निगमन।
- सत्यता और वैधता।

Unit – 2 — **18 Hrs.**

परम्परागत वर्ग विरोध–

- व्याघातकता,
- विपरीतता।
- अनुविपरीतता।
- श्रेयता,
- अनुभाव।

Unit-3 — **17 Hrs.**

विचार के नियम–

- तादात्म्य नियम, व्याघात नियम, मध्याभाव नियम।
- उभयतः पाश– स्वरूप, आकार और खण्डन।
- सत्यता फलन और सत्यता फलक सम्बन्धक–सरल और मिश्र प्रतिज्ञप्ति, संयोजन।

Unit-4 — **20 Hrs.**

न्यायवाक्य–

- मानक संरचना, आकार एवं योग।
- न्यायवाक्य के परीक्षण की प्रविधियाँ – नियम, दोष व वेन रेखाचित्र ।

Unit-5 — **19 Hrs.**

तर्कशास्त्र की वैज्ञानिक व्याख्या–

- स्वरूप, मूल्यांकन और सीमाएं।
- मिल की पद्धतियाँ।

 # Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures

Text/ Reference Books

1. इण्ट्रोडक्शन टु लॉजिक–आइ. एम. कोपी, अनुवादक–संगमलाल पाण्डे
2. प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र–आर.एन.मिश्र, राजस्थान हिन्दीग्रंथ अकादमी।
3. सिम्बालिक लॉजिक–आई.एम. कोपी, मैकमिलन एण्ड कम्पनी, न्यूयार्क।
4. तर्क रेखा–सुरेन्द्र बारलिंगे, राजस्थान ग्रंथ अकादमी।
5. सरल निगमनात्मक तर्कशास्त्र–(भारतीय और पाष्चात्य) अशोक कुमार वर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
6. तर्कशास्त्र प्रवेश– डॉ. बांकेलाल शर्मा, हरियाणा ग्रंथ एकादमी।
7. प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र प्रवेशिका– अशोक कुमार वर्मा, मोतीलाल, बनारसीदास, वाराणसी।
8. इण्ट्रोडक्शन टू लॉजिक–जोसेफ।
9. प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र–राजनारायण, हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
10. तर्करेखा–सुरेन्द्र बारलिंगे, राजस्थान ग्रंथ अकादमी।
11. प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र–आर. एन. मिश्र, राजस्थान अकादमी, जयपुर।

Ashish
Nayak
Dr. Uk.

Course code	Political Philosophy (Elective) Paper – IV	L	T	P	C
MPHIL20Y105	राजनीति दर्शन (ऐच्छिक पत्र) – प्रश्न पत्र–4	6	0	0	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 Marks			

Course Objectives:

- राजनैतिक दर्शन की व्यापक जानकारी देना।
- विद्यार्थियों में दर्शन के अध्ययन के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- दार्शनिकों को राजनीति जानने समझने हेतु मनोभूमि तैयार करना।
- राजनैतिक कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- राजनैतिक क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान होना।
- राजनैतिक विचारों की सूक्ष्मता का पता चलना।
- समकालीन राजनीति के नैतिक तथ्यों की जानकारी देना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- विद्याथियों में राजनैतिक समझ का विकास होना।
- विद्यार्थियों में राजनैतिक विचारों के अनुकूल सोच विकसित होना।
- विचार के क्षेत्र में नूतन तकनीक एवं प्रयोगों का विकास होना।
- सामाजिक समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।

Unit-1	18 Hrs.
• समाजवाद–सामाजिक जनतंत्रवाद।	
Unit – 2	**16 Hrs.**
• राजतन्त्र और जनतन्त्रवाद।	
Unit-3	**20 Hrs.**
• उदारवाद और साम्राज्यवाद।	
Unit-4	**19 Hrs.**
• फॉसीवाद, अधिनायकवाद, अराजकतावाद (मार्क्स–गाँधी)।	
Unit-5	**18 Hrs.**
• वैज्ञानिक समाजवाद	

 # Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures

Text/ Reference Books :-

1. राजनीति का इतिहास, शिवप्रकाश गुप्त, एस चांद एण्ड कम्पनी दिल्ली।
2. बौद्ध राजदर्शन , डॉ. अखिलेश्वर प्रसाद दुबे, नार्दन बुक सेंटर, नई दिल्ली।
3. आधुनिक राजदर्शन , प्रो. पी. डी. शर्मा, विश्वभारती प्रकाशन दिल्ली।
4. समाज एवं राजनीति दर्शन , डॉ. बद्रीनाथ सिंह, आशा प्रकाशन वाराणसी।
5. राजनीति एवं समाज दर्शन के आयाम, हृदयनारायण मिश्रा, शेखर प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. प्रजातंत्र–प्लेटो के रिपब्लिक का हिन्दी अनुवाद, राजेन्द्र स्वरूप भटनागर, डी. के. प्रिंट।
7. महात्मा गाँधी का अहिंसक राज– आधुनिक संदर्भ में एस.बी. प्रसाद (उ.प्र.)।

Course code	Social Philosophy(Elective) - Paper – IV	L	T	P	C
MPHIL20Y106	समाजदर्शन (ऐच्छिक पत्र) – प्रश्न पत्र – 4	6	0	0	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 Marks			

Course Objectives:

- समाज दर्शन की व्यापक जानकारी देना।
- छात्रों में दर्शन के अध्ययन के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- दार्शनिकों को जानने समझने हेतु मनोभूमि तैयार करना।
- छात्रों में वैचारिक कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- समाज दर्शन की क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान होना।
- समाज के दार्शनिक विचारों की सूक्ष्मता का पता चलना।
- सामाजिक आचार–विचार सम्बन्धी तथ्यों की जानकारी देना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- विद्यार्थियों में दार्शनिक समझ का विकास होना।
- विद्यार्थियों में दार्शनिक विचारों के अनुकूल सोच विकसित होना।
- सामाजिक क्षेत्र में नूतन तकनीक एवं प्रयोगों का विकास होना।

Unit	Hours
Unit-1	**17 Hrs.**

- समाज दर्शन –स्वरूप एवं महत्व।
- व्यक्ति, समाज, संस्कृति एवं राज्य।

Unit	Hours
Unit-2	**18 Hrs.**

- समुदाय और समाज के सिद्धान्त (भारतीय एवं पाश्चात्य मत)।

Unit	Hours
Unit-3	**20 Hrs.**

सामाजिक संस्थायें–

- कुल,
- विवाह,
- सम्पत्ति,
- शिक्षा,
- धर्म और भाषा (भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टिकोण)।

Unit	Hours
Unit-4	**16 Hrs.**

- सामाजिक संगठन एवं विघटन।

Unit	Hours
Unit-5	**18 Hrs.**

- लोक संग्रह एवं लोक संघर्ष।

 # Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures

Text/ Reference Books

- समाजदर्शन को समस्या–संगमलाल पाण्डे ।
- समाज, धर्म और राजनीति–संगमलाल पाण्डे।
- समाज दर्शन – रामजी सिंह।
- धर्म और समाज –एस. राधाकृष्णन, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली ।
- अछूत कौन और कैसे–बी.आर. अम्बेडकर, गौतम बुक डिपो, दिल्ली।
- बुद्ध का समाज दर्शन –धर्म कीर्ति सम्यक प्रकाशन, दिल्ली।
- समकालीन भारतीयदर्शन –बी.के.लाल–मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी (उ.प्र.)।

Course code	Research Methodology /Project work , Paper – V	L	T	P	C
MPHIL20Y107	शोध–प्रविधि / परियोजना कार्य, प्रश्न पत्र – 5	4	0	6	10
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 Marks			

Course Objectives:

- शोध की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- विद्यार्थियों में दार्शनिक विचारों की शोध–खोज के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- वैचारिक अभ्यास की प्रवृत्ति को विकसित करना।
- दर्शन के क्षेत्र में शोध करने हेतु कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- दार्शनिक शोध की क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान होना।
- दर्शन और जैन दर्शन में दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का पता चलना।
- भाषा और दर्शन में शोध के आयामों का ज्ञान कराना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- वैचारिक कौशल का विकास होना।
- विषय के अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- शोध के लिए नूतन तकनीक, कौशल विधियों एवं प्रयोगों का विकास होना।
- शोध सम्बन्धी समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।

Unit-1 — **18 Hrs.**

शोध का स्वरूप : सैद्धान्तिक पक्ष

- शोध का प्रयोजन
- शोध की व्युत्पत्ति और परिभाषा
- शोध : तत्त्व, क्षेत्र, दृष्टि, पद्धति, उपस्थापन
- शोध के प्रयोजन
- शोध के प्रकार– 1. साहित्यिक शोध
  2. लोक साहित्यिक शोध
  3. अन्तःशास्त्रीय शोध
  4. तुलनात्मक शोध

Unit-2 — **16 Hrs.**

शोध पद्धतियाँ

- वर्णनात्मक पद्धति
- ऐतिहासिक पद्धति
- तुलनात्मक पद्धति
- सर्वेक्षण आधारित पद्धति
- गुणात्मक और मात्रात्मक पद्धति
- लोकतात्त्विक पद्धति
- भाषा केन्द्रित पद्धति
- आलोचनात्मक पद्धति
- मौखिक पद्धति

Unit-3 — **20 Hrs.**

Dr. Uk

शोध की प्रक्रिया	
• विषय का चयन • विषय का निर्धारण : संकल्पना और महत्त्व • शोध की समस्या (विषयगत) • शोध की रूपरेखा • सामग्री संकलन, विश्लेषण • सामग्री संकलन के स्रोत (प्राथमिक, द्वितीयक तथा प्रकाशित–अप्रकाशित आदि) • पुस्तकालय, इंटरनेट, वेबसाइट, फील्ड वर्क। • कार्ड बनाना, साक्षात्कार, प्रश्नावली, सामग्री का विवेचन–विश्लेषण	
Unit-4	**19 Hrs.**
शोध की प्रतिपादन पद्धति	
• सामग्री का विभाजन तथा संयोजन (अध्याय, उपशीर्षक और अनुपात) • तर्क–पद्धति, निरूपण और तत्त्वान्वेषण • प्रामाणिकता : अन्तःसाक्ष्य और बहिःसाक्ष्य • उद्धरण और सन्दर्भोल्लेख (पाद टिप्पणी लेखन) • भूमिका और उपसंहार लेखन • परिशिष्ट (अतिरिक्त आवश्यक सूचनात्मक सामग्री संकलन) 1. सन्दर्भ ग्रन्थ सूची 2. पत्र–व्यवहार और अन्य का उल्लेख 3. विषयों, नामों आदि की अनुक्रणिका, अन्य सामग्री (चित्र–स्केच) आदि प्रस्तुत करने की विधियाँ	
Unit-5	**17 Hrs.**
कम्प्यूटर का सामान्य ज्ञान	
• कम्प्यूटर : परिचय और महत्त्व • कम्प्यूटर : संरचनात्मक स्वरूप • इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय • इंटरनेट समय मितव्ययिता का सूत्र • इंटरनेट का ऐतिहासिक परिचय • इंटरनेट कार्य प्रणाली और सुविधाएँ • मशीनी अनुवाद	
# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures	
Text/ Reference Books :- 1. साहित्यिक शोध के आयाम– डा. शशिभूषण सिंहल, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली। 2. शोध स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि – डा. बैजनाथ सिंहल, दि मैकमिलन ऑफ इण्डिया लिमिटेड दिल्ली। 3. अनुसंधान–सत्येन्द्र, नन्द किशोर एण्ड ब्रदर्स, वाराणसी। 4. शोध–प्रविधि, डा विनय मोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली। 5. शोध–प्रविधि, डा. हरिश्चन्द्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला। 6. कम्प्यूटर और हिन्दी–हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली। 7. कम्प्यूटर : सिद्धान्त और तकनीक, राजेन्द्र कुमार, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली। 8. कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग एण्ड आपरेटिंग गाइड, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली।	

Ashishxx

Dr. U.K.

Course code	Subjective presentation & Comprehensive Viva, Paper – VI	L	T	P	C
MPHIL20Y108	विषय प्रस्तुति और विस्तृत मौखिकी, प्रश्न पत्र – 6	0	0	6	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 Marks			

Course Objectives:

- दर्शनशास्त्र की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- विद्यार्थियों में दार्शनिक साहित्य के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- सोचने की प्रवृत्ति को विकसित करना।
- दर्शन के क्षेत्र में शोध करने हेतु कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- दर्शनशास्त्र की क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान होना।
- दर्शन और जैन दर्शन में दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का पता चलना।
- दर्शन में शोध के आयामों का ज्ञान कराना।

Student Learning Outcomes (SLO) :

- वैचारिक कौशल का विकास होना।
- विषय के अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- शोध के लिए नूतन तकनीक, कौशल विधियाँ एवं प्रयोगों का विकास होना।
- शोध सम्बन्धी समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।

90 Hrs.

प्रत्येक विद्यार्थी को प्रश्न पत्र संख्या 1 से 5 तक पढे गये विषयों में से किसी एक विषय पर विषय प्रस्तुति और विस्तृत मौखिकी देनी होगी।